# नादान दोस्त – भाग तीन

अभ्यास प्रश्नोत्तर

# अभ्यास –प्रश्नोत्तर

1. केशव और श्यामा के मन में अंडो को देखकर तरह-तरह के सवाल क्यों उठते थे ?

उत्तर – केशव और श्यामा छोटे बच्चे थे , इसलिए अंडो को देखकर उनके मन में प्रश्नों का उठना स्वाभाविक था | वे अंडो के बारे में जानना चाहते थे और अनुमान लगाते थे |

2. अंडो के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे ? वे आपस ही में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे ?

उत्तर – केशव और श्यामा के मन में अंडो को देखकर सवाल उठते कि अंडे कितने बड़े होंगे ? कितने अंडे होंगे ? किस रंग के होंगे ? अंडो में से बच्चे कैसे निकलेंगे ? आदि | उनके सवालों का जवाब देने के लिए कोई न था | उनकी माता घर के कामों में व्यस्त रहती चिड़िया तथा पिता जी दफ्तर के काम से लिखाई –पढ़ाई में व्यस्त रहते थे | उनकी जिज्ञासाओं को मिटाने वाला कोई नहीं था , इसलिए वे दोनों आपस में सवाल जवाब करके खुद को तसल्ली दे दिया करते थे|

3. अंडो के टूट जाने पर माँ के पूछने पर कि – "तुम लोगों ने जरुर अंडो को छुआ होगा |" के जवाब में श्यामा ने क्या कहा और इसने ऐसा क्यों कहा ?

उत्तर – श्यामा ने डर के मारे तथा अंडो के टूट जाने के अफ़सोस के कारण माँ को सब कुछ सच-सच बता दिया |

4. पाठ के आधार पर यह बताओ कि अंडे गंदे क्यों हुए और उन अंडो का क्या हुआ ?

उत्तर – केशव और श्यामा ने अंडो की रक्षा के लिए उनके नीचे चीथड़े लगा दिए थे | परन्तु वह यह नहीं जानते थे अंडो को छूने से अंडे गंदे हो जाते हैं और चिड़िया उन्हें नहीं सेती | उनकी इस नादानी से चिड़िया ने अंडो को गिरा दिया | उनकी नादानी की वजह से अंडे बर्बाद हो गए |

5. केशव ने श्यामा से चिथड़े , टोकरी और दाना-पानी मँगाकर कार्निस पर क्यों रखे ?

उत्तर – केशव और श्यामा सोच रहे थे कि अंडो से बच्चे निकल आए होंगे | उन्हें धूप से बचाना था इसलिए टोकरी मँगवाई | चीथड़ो से उनके लिए गद्दी बनाई गई | दाना-पानी मँगाकर उनकी भूख मिटाने का प्रबंध किया गया | यह सब सोचकर उन्होंने उन दोनों ने टोकरी , कपड़ा और दाना-पानी लाकर कार्निस पर रख दिए |

6 सही उत्तर क्या है ?

अंडो की देखभाल के लिए केशव और श्यामा धीरे से बाहर निकले क्योंकि –

(क) वे माँ की नींद नहीं तोड़ना चाहते थे |

(ख) माँ नहीं चाहती थी कि वह चिड़िया की देखभाल करे |

(ग) माँ नहीं चाहती थी कि वह बाहर धूप में घूमे |

उत्तर- अंडो की देखभाल के लिए केशव और श्यामा धीरे से बाहर निकले क्योंकि-

(ग) माँ नहीं चाहती थी कि वह बाहर धूप में घूमे |

7. केशव और श्यामा ने अंडो की देखभाल के लिए किन तीन बातों का ध्यान रखा ?

उत्तर – केशव और श्यामा ने निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा –

(क) सर्वप्रथम उन्होंने उनके आराम का ध्यान रखकर अंडो के नीचे चिथड़ा रखा |

(ख) अंडो के सर पर टोकरी रखकर उन्हें धूप से बचाने की कोशिश की |

(ग) चिड़िया अपना घोंसला छोड़कर दाना-पानी लाने के लिए बाहर न जाए इसलिए चावल और पानी की प्याली का इंतजाम किया |

8. कार्निस पर अंडो को देखकर केशव और श्यामा के मन में जो कल्पनाएँ आईं और उन्होंने चोरी से छुपकर जो कार्य किया क्या वे उचित थे ? तर्क सहित उत्तर दीजिये |

उत्तर – बच्चो ने अंडो की रक्षा के लिए जो कार्य किये वह नादानी में किये क्योंकि वे जानकारियों से अनजान थे | अगर उन्हें पता होता तो वह कभी-भी ऐसा नहीं करते | अंडो को जमीन पर टूटा हुआ देखकर उन्हें बहुत अफ़सोस हुआ | हम उन्हें गलत नहीं ठहरा सकते | लेखक ने इसी लिए इस पाठ का नाम नादान दोस्त रखा है |

9. पाठ से मालुम करो कि माँ को हंसी कयो आई ? तुम्हारी समझ से माँ को क्या करना चाहिए था ?

उत्तर – माँ की हंसी का कारण उनकी नादानी और अज्ञानता थी | उनके मासूमियत से उत्तर देने के कारण माँ को हंसी आ गई | मेरे विचार से माँ को उनकी अज्ञानता दूर करना चाहिए था | जिससे उनसे यह नादानी नहीं होती |

.10. केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडो की रक्षा की या नादानी ?

उत्तर – केशव और श्यामाँ उन अंडो की रक्षा करना चाहते थे , परन्तु नादानी में उनसे गलती हो गई | वो नहीं जानते थे कि चिड़िया अपने अंडो की रक्षा स्वयं कर सकती है | अगर वह अंडो को छू लेंगे तो अंडे गंदे हो जायेंगे और चिड़िया फिर उन अंडो को नहीं सेएगी और चिड़िया अंडो को फेंक देगी | और वह अंडो की रक्षा करने की नादानी कर बैठे |

कहानी से आगे –

1. केशव और श्यामा ने अंडो के बारे में क्या –क्या अनुमान लगाए ? यदि तुम उनकी जगह होते तो क्या-क्या अनुमान लगाते और क्या करते ?

उत्तर – विद्यार्थी स्वयं करें |

2. माँ के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में बाहर क्यों निकल आए ? माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने भी किवाड़ खोलकर बाहर निकलने का कारण क्यों नहीं बताया ?

उत्तर – दोपहर का समय ही ऐसा होता है जब वे बाहर आकर चुपचाप चिड़िया के बच्चों को देख सकते थे | माँ उनको देख लेती तो कभी भी अंडो को हाथ न लगाने देती | माँ के पूछने पर पिटाई के डर से दोनों में से किसी ने बाहर निकलने का कारण नहीं बताया |

3. प्रेमचंद जी ने इस कहानी का नाम ‘नादान दोस्त’ रखा | आप इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे ?

उत्तर – हम इसका शीर्षक ‘रक्षा में हत्या’ या ‘बच्चों की नादानी’ देना चाहेंगे |

## अनुमान और कल्पना

1. इस पाठ में गर्मी के दिनों की चर्चा है | अगर सर्दी या बरसात के दिन होते तो क्या-क्या होता ? अनुमान करो और अपने साथियों को सुनाओ –

विद्यार्थी स्वयं करे

2. पाठ पढ़कर मालूम करो कि दोनों चिड़ियाँ फिर वहाँ क्यों नहीं दिखाई दीं ? वे कहाँ गईं होंगी ? इस पर अपने दोस्तों से बात करो |

विद्यार्थी स्वयं करें |

3. केशव और श्यामा अंडो को लेकर बहुत उत्सुक थे | क्या तुम्हे भी किसी नई चीज या बात को लेकर कौतुहल महसूस हुआ है ? ऐसे किसी अनुभव का वर्णन करो और बताओ कि ऐसे में तुम्हारे मन में क्या-क्या सवाल उठे ?

विद्यार्थी स्वयं करें |

# भाषा की बात

1. श्याम माँ से बोली , "मैंने आपकी बातचीत सुन ली है |"

ऊपर दिए गए उदाहरण में मैंने का प्रयोग 'श्यामा' के लिए और आपकी का प्रयोग 'माँ' के लिए हो रहा है | जब सर्वनाम का प्रयोग कहने वाले , सुनने वाले या किसी तीसरे के लिए हो, तो उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं | नीचे दिए गए वाक्यों में तीनों प्रकार के पुरुषवाचक सर्वनामों के नीचे रेखा खींचो –

उत्तर – एक दिन दीपू और नीलू यमुना तट पर बैठे शाम की ठंडी हवा का आनन्द ले रहे थे | तभी <u>उन्होंने</u> देखा कि लम्बा आदमी लड़खड़ाता हुआ <u>उनकी</u> ओर चला आ रहा है | पास आकर उसने बड़े दयनीय स्वर में कहा, "<u>मैं</u> भूख से मरा जा रहा हूँ | क्या <u>आप</u> <u>मुझे</u> कुछ खाने को दे सकते हैं ?"

2. <u>तगड़े</u> बच्चे
<u>मसालेदार</u> सब्जी
<u>बड़ा</u> अंडा

यहाँ रेखांकित शब्द क्रमश: बच्चे, सब्जी और अंडे की विशेषता यानि गुण बता रहें हैं , इसलिए इन विशेषणों को गुणवाचक विशेषण कहते हैं | इसमें व्यक्ति या वस्तु के अच्छे बुरे हर तरह के गुण आते हैं | आप चार गुणवाचक विशेषण लिखो और उनसे वाक्य बनाओ |

उत्तर – ईमानदार – आयुष एक ईमानदार लड़का है |
लाल – यह लाल गुलाब है |
सुन्दर – सुन्दर साड़ी |
मीठा – यह आम मीठा है |

3.

(क) केशव ने झुंझलाकर कहा ....

(ख) केशव रोनी सूरत बनाकर बोला ....

(ग) केशव घबराकर उठा ...

(घ) केशव ने टोकरी को एक टहनी से टिकाकर कहा ...

(ङ) श्यामा ने गिड़गिड़ाकर कहा ....

ऊपर लिखे शब्दों में रेखांकित शब्दों को ध्यान से देखो | ये शब्द रीतिवाचक क्रियाविशेषण का काम कर रहे हैं , क्योंकि यह बताते हैं कि – कहने , बोलने , और उठने की क्रिया कैसे हुई | ‘कर’ वाले क्रियाविशेषण होने कि पहचान यह भी है कि ये अक्सर क्रिया से ठीक पहले आते हैं | अब तुम भी इन पाँच क्रियाविशेषणों का वाक्यों में प्रयोग करो |

(क) झुँझलाकर – मोहन की बात सुनकर अभिषेक झुँझलाकर चला गया \

(ख) बनाकर – मधु ने कार्टून का चित्र बनाकर सबको दिखाया |

(ग) घबराकर – दुर्घटना की खबर सुनकर वह घबराकर उठा |

(घ) टिकाकर – अर्जुन ने नजरे टिकाकर निशाना साधा |

(ङ) गिड़गिड़ाकर – राजिव ने गिडगिडाकर श्यामा  से माफ़ी माँगी |

4.

नीचे प्रेमचंद की कहानी ‘सत्याग्रह’ का अंश दिया गया है | आप इसे पढ़ोगे तो पाओगे कि विराम चिन्हों के बिना यह अंश अधूरा-सा है | तुम आवश्यकता के अनुसार उचित जगहों पर विराम चिन्ह लगाओ |

उसी समय एक खोमचेवाला जाता दिखाई दिया 11 बज चुके थे चारों तरफ सन्नाटा छा गया था पंडितजी ने बुलाया खोमचेवाले खोमचेवाले कहिए क्या दूँ भूख लग आई न अन्न जल छोड़ना साधुओं का काम है हमारा आपका नहीं मोटेराम अबे क्या कहता है यहाँ क्या किसी साधू से कम हैं चाहें तो महीनों पड़े रहें और भूख न लगे तुझे तो केवल इसलिए बुलाया है कि ज़रा अपनी कुप्पी मुझे दे देखें तो वहाँ क्या रंग रहा है मुझे भय होता है |

उसी समय एक खोमचेवाला जाता दिखाई दिया | 11 बज चुके थे | चारों तरफ सन्नाटा
छा गया था | पंडितजी ने बुलाया,“खोमचेवाले ! खोमचेवाले – “कहिए , क्या दूँ ? भूख
आई न | अन्न-जल छोड़ना साधुओं का काम है , हमारा-आपका नहीं | मोटेराम –
“अबे, क्या कहता है ? यहाँ क्या किसी साधू से कम हैं | चाहें तो महीनों पड़े रहें और
भूख न लगे | तुझे तो केवल इसलिए बुलाया है कि ज़रा अपनी कुप्पी मुझे दे | देखे तो, वहाँ क्या रंग रहा है | मुझे भय होता है |”

समाप्त

धन्यवाद